

ОГЛАВЛЕНИЕ

| | |
|---|-----|
| Глава 1. Командировка как наказание | 7 |
| Глава 2. По Енисею | 20 |
| Глава 3. Туруханск | 44 |
| Глава 4. Первые шаги в столице беглых | 66 |
| Глава 5. Доклад начальника сыскного отделения | 86 |
| Глава 6. Лыков осваивается | 98 |
| Глава 7. Иркутский криминал | 121 |
| Глава 8. Беседа в охранном отделении | 138 |
| Глава 9. В поисках союзников | 158 |
| Глава 10. Полицейские и жандармы | 173 |
| Глава 11. Первые находки | 185 |
| Глава 12. Арест боевцев | 204 |
| Глава 13. Договор с Чалдоном | 220 |
| Глава 14. Человек из прошлой жизни | 240 |
| Глава 15. В Иркутске появился новый грек | 259 |
| Глава 16. Налет | 285 |
| Глава 17. Будни иркутских сыщиков | 296 |
| Глава 18. Шпионы на Ангаре | 305 |

Оглавление

| | |
|---|-----|
| Глава 19. Все переплелось | 325 |
| Глава 20. Понеслась душа в рай | 350 |
| Глава 21. Разгром | 376 |
| Глава 22. Последние приключения | 389 |
| Эпилог № 1 | 401 |
| Эпилог № 2 | 404 |